

---

.. ShrI Venkateshashtakam 2 ..

॥ श्रीवेङ्कटेशाष्टकम् २ ॥

Document Information

---

Text title : veNkateshAShTakaM 2  
File name : venkaTeshAShTaka2.itx  
Category : aShTaka  
Location : doc\_vishhnu  
Author : vaTTepalle narakaNThIrava shAstri  
Language : Sanskrit  
Subject : philosophy/hinduism/religion  
Transliterated by : Malleswara Rao Yellapragada malleswararaoy  
at yahoo.com  
Proofread by : Malleswara Rao Yellapragada malleswararaoy at ya-  
hoo.com, Avinash Sathaye  
Latest update : August 8, 2012  
Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com  
Site access : <http://sanskritdocuments.org>

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted for promotion of any website or individuals or for commercial purpose without permission.

---

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

---

August 3, 2016

*sanskritdocuments.org*

---

## ॥ श्रीवेङ्कटेशाष्टकम् २ ॥

ॐ तत्सदिति निर्देश्यं जगज्जन्मादिकारणम् ।  
अनन्तकल्याणगुणं वन्दे श्रीवेङ्कटेश्वरम् ॥ १ ॥  
नतामरशिरोरत्नं श्रीयुतम् श्रीपदाम्बुजम् ।  
प्रावृषेण्यघनश्यामं वन्दे श्रीवेङ्कटेश्वरम् ॥ २ ॥  
मोहादिषडरिव्यूहग्रहाकुलमहाणवे ।  
मज्जतां तरणीं नृणां वन्दे श्रीवेङ्कटेश्वरम् ॥ ३ ॥  
नाथं त्रिजगतां एकं साधुरक्षणदीक्षितम् ।  
श्रीशेषशैलमध्यस्थं वन्दे श्रीवेङ्कटेश्वरम् ॥ ४ ॥  
राजद्राजीवपत्रश्रीमदमोचनलोचनम् ।  
मन्दहासलसद् वक्रं वन्दे श्रीवेङ्कटेश्वरम् ॥ ५ ॥  
यन्मुखेन्दुस्मितज्योत्स्ना भूयसीं तमसां ततिम् ।  
विधुनोति प्रपन्नानां वन्दे श्रीवेङ्कटेश्वरम् ॥ ६ ॥  
नान्तस्य कस्यचिद् वाक्यं शब्दस्यानन्य वाचिनः ।  
ब्रह्मारुद्रेन्द्रजनकं वन्दे श्रीवेङ्कटेश्वरम् ॥ ७ ॥  
यद्वक्षःस्थलमध्यास्य भाति श्रीरनपायिनी ।  
तडिल्लेखेवाभ्रमध्ये वन्दे श्रीवेङ्कटेश्वरम् ॥ ८ ॥  
वेङ्कटेशाष्टकमिदं नरकण्ठीरवोदितम् ।  
यः पठेत् सततं भक्त्या तस्मै विष्णुः प्रसीदति ॥  
॥ इति श्री वट्टेपल्ले नरकण्ठीरव शास्त्रि विरचितम्  
श्री वेङ्कटेशाष्टकं समाप्तम् ॥

From the book 'Tirupati Sri Venkatesvara' by Sri Sadhu Subrahmanya Sastry  
at pages 371 and 372

---

Encoded and Proofread by YV Malleswara Rao malleswararao  
at yahoo.com  
Proofread by Avinash Sathaye

.. ShrI Venkateshashtakam 2 ..  
was typeset on August 3, 2016

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

